IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राजस्थान राज्य में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण विकास कौषल योजना का अध्ययन

(राजस्थान में BHCPL का एक केस अध्ययन)

अर्जुन सुथार डॉ वीणा द्विवेदी

सार (Abstract) :-

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौषल योजना का मुख्य उद्देष्य ग्रामीण युवाओं के कौषल प्रषिक्षण में माध्यम से कौषल का विकास करना है इसमें ग्रामीण परिवेष से आने वाले युवा जो गरीब, बीपीएल एवं मनरेगा मे आते है उन्होंने प्रषिक्षण षामिल किया जाता है यह भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजना है जिसमें ग्रामीण युवाओं को आजीविका के लिए उन को प्रषिक्षण के माध्यम से उन का सुधार और विकास किया जाता है। डीडीयू–जीकेवाई में ग्रामीण युवाओं को राजस्थान राज्य के BHCPL (PIA) के द्वारा प्रषिक्षण दिया जाता है

किवर्ड :- डीडीयू–जीकेवाई , बीएचसीपीएल (पीआईए) , कौषल विकास केन्द्र , रोजगार , ग्रामीण युवा

परिचय (Introduction) :-

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौषल योजना (डीडीयू–जीकेवाई) ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार के कौषल और नियुक्ति की पहल है। डीडीयू–जीकेवाई का उद्यम आजीविका कौषल कार्यक्रम में है और स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) के ' विषेष परियोजनाओं ' के घटक हैं।

यह योजना ग्रामीण युवाओं के व्यावसायिक आकांक्षाओं को पूरा करने और मजदूरी रोजगार के लिए अपने कौषल को बढ़ाने पर केंद्रित है। डीडीयू–जीकेवाई के कार्यान्वयन में राज्य सरकारों, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी और पीआर) और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए) जैसी तकनीकी सहायता एजेंसियां शामिल है। कार्यक्रम को कार्यान्वित करते समय एमओआरडी ने दिषानिर्देष और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुपालन किया है। मानक प्रचालन प्रक्रियाओं में प्रषिक्षित, मूल्यांकन और प्रमाणित होने के लिए डीडीयू–जीकेवाई के तहत सभी परियोजना कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) ने 25 सितम्बर 2014 को दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौषल योजना (डीडीयू–जीकेवाई) अंत्योदय दिवस की घोषाणा की थी। डीडीयू–जीकेवाई राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन (एनआरएलएम) का एक हिस्सा है, जिसका उद्देष्य ग्रामीण गरीब परिवारों की आय में विविधता जोड़ने और ग्रामीण युवाओं की करियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए डीडीयू–जीकेवाई में गरीब परिवारों से 15 से 35 वर्ष की उम्र के बीच ग्रामीण युवाओं पर विषिष्ट रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

कौषल भारत अभियान के एक हिस्से के रूप में, यह मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटीज और स्टार्ट–अप इंडिया, स्टैंड–अप इंडिया अभियान जैसी सरकार के सामाजिक और आर्थिक कार्यक्रमों के समर्थन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 18 से 35 वर्ष की उम्र के बीच देष की युवा जनसंख्या में से 180 मिलियन या 69 प्रतिषत से अधिक अपने ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें से, गरीब परिवारों या कम आय वाले युवाओं की संख्या लगभग 55 मिलियन है उन्होंने कौषल विकास और उद्यमिता 2015 के लिए राष्ट्रीय नीति को वर्ष 2022 तक 24 प्रमुख क्षेत्रों में 109.73 मिलियन के कौषल अंतर की पहचान की है।

HOD, Professor of school of social sciences , Jaipur national university.
MPHIL (SOIAL WORK) of Jaipur national university
Bhandari Healthcare Pvt. Ltd. – Jaipur

http://nirdpr.org.in/ddugky.aspx

https://pingovernmentjobs.com/rojgaar-mela-in-mp-seoni/

यह संख्या ग्रामीण भारत से 55 करोड़ से बीओपी (BoP) को संबोधित किए बिना हासिल नहीं की जा सकती। इसके अलावा, 2013 में प्रकाषित एक फिक्की और अर्नेस्ट–यंग अध्ययन ने दुनिया भर में 470 लाख कुषल श्रमिकों की कमी की पहचान की है। यह भारत के लिए एक अनूठी अवसर प्रदान करता है जो कि बीओपी (BoP) युवा आबादी को प्रषिक्षित करता है और उन्हे दुनिया भर में नौकरियों में रखता है # BoP - Bootham of pyramid

डीडीयू–जीकेवाई अपने भागीदारों और मूल्य जोड़ने की उनकी क्षमता पर गर्व करता है। भागीदारों से नवाचार को पैमाने और क्षमता बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है इसकी अनूठी कार्यान्वयन संरचना में भागीदारों, जो स्वभाव से होते है, बदलते जीवन के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने क्षेत्रों में विषेषज्ञ हैं, वे डीडीयू–जीकेवाई द्वारा एकीकृत स्किलिंग इकोसिस्टम का एक हिस्सा बनाते हैं। पार्टनर्स, निवेष, क्षमता निर्माण,प्रतिधारण के लिए रणनीतियों, प्रषिक्षण के उद्देष्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट और तकनीकी सहायता के लिए सहयोग के माध्यम से समर्थित हैं।

विजन :– विकासषील देषों के ग्रामीण युवाओं के लिए कौषल और प्लेसमेंट से जुड़े कौषल कार्यक्रमों में नीतिगत डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए उत्कृष्टता का केन्द्र और वैषविक नेता बनना।

मिषन :– राष्ट्रीय स्तर पर सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों के लिए निगरानी, मूल्यांकन, प्रषिक्षण, सामग्री विकास, और अनुसंधान जैसी तकनीकी सेवाएं प्रदान करना ताकि ग्रामीण गरीब युवाओं सहित सामाजिक रूप से वंजित समूहों को बेहतर भविष्य सुरक्षित बनाया जा सके।

साहित्य की समीक्षा (Review of Literature) :– षोधकर्ता ने प्रषिक्षण, कौषल विकास से संबंधित साहित्य एकत्र किया था और ग्रामीण युवाओं की आकांक्षाओं और डीडीयू –जीकेवाई की योजना से संबंधित लेख। इस प्रकार प्रषिक्षण, कौषल विकास और युवाओं की आकांक्षाओं से संबंधित समीक्षा पर चर्चा की गई है जो कि निम्न है :–

किम कोल और जेनिफर लेब्सचुट्ज़ (2016) – हार्वडे केनेडी स्कूल से अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि डीडीयू–जीकेवाई प्रदान करने के साथ, एमओआरडी के पिछले अनुभवों पर बनाता है ग्रामीण आबादी को कौषल प्रषिक्षण कि आवष्यकता

है इसे 'न केवल ग्रामीण गरीबों को उच्च गुणवत्ता वाले कौषल प्रषिक्षण के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । बल्कि एक बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए है जो बेहतर भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रषिक्षित उम्मीदवारों का समर्थन करता है। उन्होंने आगे अध्ययन किया कि डीडीयू–जीकेवाई की वर्तमान ट्रैकिंग और अवधारण प्रयासों में तीन रणनीतियां शामिल हैं अर्थात्र

डीडीयू–जीकेवाई प्रषिक्षुओं की भर्ती के लिए स्थानीय समुदाय के नेताओं (ग्राम पंचायत स्तर पर) के साथ मिलकर काम करने के लिए पीआईए प्रषिक्षकों को प्रषिक्षण के लाभों को समझाने के लिए परिवारों से मिलने और उनकी बेटियों की सुरक्षा कि गारंटी देते हैं

दूसरा, वे ग्रामीण को षहरी की सहायता के लिए माइग्रेषन सहायता केन्द्रों को प्रोत्साहित करते हैं प्रवासियों ने उन्हें आवास खोजने में मदद से या यदि आवष्यक हो तो वैकल्पिक नौकरियों को हासिल करना, बातचीत करना स्थानीय सरकार के साथ, और एक कांउसलर तक पहुंच हासिल करना।

तीसरा, डीडीयू–जीकेवाई स्थगन प्रदान करता है कि प्रषिक्षुओं को षहरी क्षेत्र में जीवन को समायोजित करने में मदद करने के लिए सहायता राषि और वह डीडीयू–जीकेवाई पूर्व छात्र प्रतिधारण दरों और प्रदर्षन में सुधार करना चाहता है।

उन्होंने पाया कि डीडीयू–जीकेवाई स्नातका महिला को औपचारिक रूप से नियोजित रखने के लिए संघर्ष करता है।

पीआईए प्रबंधकों ने सुझाव दिया कि कई महिलाएं अपने काम करने के बाद कार्यक्रम से बाहर हो जाती हैं बड़े पैमाने पर षहरी प्लेसमेंट सिर्फ तीन महीने के लिए ही कर पाती है यह काफी हद तक महिलाओं के परिवारों के दबाव या ग्रामीण क्षेत्र में रहने के लिए व्यक्तिगत प्राथमिकता के कारण है। और उत्तर व उत्तर–पूर्व सहित देष के अधिक रूढ़िवादी हिस्से में विषेष रूप से है ।

सबिता कुमारी (2016) – आप ने डीडीयू–जीकेवाई के माध्यम से ग्रामीण युवाओं की कौषल वृद्धि पर एक अध्ययन किया। उन्होंने डीडीयू–जीकेवाई योजना के कार्यान्वयन , प्रभावषीलता और प्रषिक्षण के प्रकार के बारे में चर्चा कि गई ।

अध्ययन का महत्व (Significance of the study) :-

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण विकास कौषल योजना का अध्ययन ग्रामीण युवा वर्ग को अभिप्रेरित एवं उनके ज्ञान के मनोबल को बढ़ाना।

राजस्थान राज्य में डीडीयू–जीकेवाई के तहत BHCPL (PIA) के माध्यम हेल्थ सेक्टर के क्षेत्र में बढ़ाते हुए रोजगार के अवसर को देखते हुए इसका अध्ययन के लिए लिया गया।

भण्डारी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (BHCPL) का हेल्थ केयर के क्षेत्र में बहुत अनुभव रहा है जिससे प्रषिक्षण और रोजगार में बढ़ावा मिल रहा है

डीडीयू–जीकेवाई के तहत वर्ष 2019 से 2021 तक के युवाओं का अध्ययन किया जा सकता है

उद्देष्यों (Objectives) :-

- ग्रामीण युवाओं के मनोसामाजिक का अध्ययन करना।
- ग्रामीण कौषल का कार्यक्रमसे लोगों के जीवन में आने वाले बदलाव को समझना।
- राजस्थान राज्य के BHCPL (PIA) के माध्यम से डीडीयू–जीकेवाई के तहत ग्रामीण युवाओं को कौषल प्रषिक्षण का अध्ययन करना।

- ग्रामीण युवाओं मानसिक सामाजिक व आर्थिक स्थिति के बारे में जानना

क्रियाविधि (Methodology) :-

अध्ययन क्षेत्र (Study Area) :-

राजस्थान राज्य में डीडीयू–जीकेवाई के तहत भण्डारी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (BHCPL) अग्रणी संस्था के रूप में काम कर रही है और इसके माध्यम हेल्थ सेक्टर के क्षेत्र में अधिक संख्या में युवाओं को कौषल प्रषिक्षण दिया गया है।

नमूना आकार (Sample Size) :-

राजस्थान राज्य के BHCPL (PIA) के माध्यम से डीडीयू–जीकेवाई के तहत वर्ष 2019 से 2021 तक के प्रषिक्षुओं का अध्ययन किया जा रहा है जिससे कुल संख्या 300 का 20 प्रतिषत यानि 60 उम्मीदवारों का नमूना अध्ययन के लिए लिया गया ।

https://www.india.gov.in/hi/spotlight
http://bharatyojanamitra.com/central-government-

नमूना विधि (Sampling Method) :-

रैंडम सैंपलिंग विधि का उपयोग किया गया।

अध्ययन की अवधि (Period of the Study) :-

भण्डारी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (BHCPL) का हेल्थ केयर के क्षेत्र में 2019–21 के वर्षो के बीच उम्मीदवारों को अध्ययन के लिए लिया गया है।

उपकरण (Tools) :-

डेटा संग्रह के लिए प्रश्नावली और संरचित साक्षात्कार का उपयोग किया गया था।

आवश्यक शर्तें और पात्रता मानदंड :–

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम या किसी राज्य सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 2013 या सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम 2008 या राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सरकार या एक अर्ध–सरकारी संगठन के तहत पंजीकृत 3 से अधिक वित्तीय वर्षो के लिए भारत में परिचालनात्मक कानूनी इकाई के रूप में अस्तित्व (एनएसडीसी पार्टनर्स के लिए लागू नहीं है) पिछले 3 वित्तीय वर्षों में न्यूनतम 2 के लिए सकारात्मक नेट वर्थ (एनएसडीसी पार्टनर्स के लिए लागू नहीं है) प्रस्तावित परियोजना के कम से कम 25 % से अधिक का कारोबार परियोजनाओं के वित्त में, पीआईए की भेंट के लिए प्राथमिकता दी जाती है।

विदेशी प्लेसमेंट

बंदी रोजगार :– उन पीआईए या संगठन जो कि आंतरिक चल रहे मानव संसाधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए कौषल प्रषिक्षण लेते है।

उद्योग इंटर्नषिप :– उद्योग से सह–वित्तपोषण के साथ इंटर्नषिप के लिए सहायता

चैंपियन नियोक्ता :– पीआईए, जो 2 वर्षो के अंतराल में न्यूनतम 10,000 डीडीयू– जीकेवाई प्रषिक्षुओं के लिए कौषल प्रषिक्षण और प्लेसमेंट का आष्वासन दे सकता है

उच्च प्रतिष्ठा के षैक्षिक संस्थान :– यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिषन (यूजीसी)/तकनीकी षिक्षा के लिए अखिल भारतीय परिषद (एआईसीटीई) के वित्त पोषण के लिए न्यूनतम राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के 3.5 या समुदाय कॉलेजों के ग्रेडिंग के साथ डीडीयू–जीकेवाई परियोजनाएं।

प्रषिक्षण (Training) :-

प्रषिक्षण पीआईए की गुणवत्ता की से प्रभावित होता है प्रषिक्षण केन्द्रों, प्रषिक्षकों, सामग्री, प्रषिक्षण विधियों और काम की तत्परता आदानों, मूल्यांकन और प्रमाणीकरण में बुनियादी सुविधाओं इत्यादि। इनमें से प्रत्येक के संबंध में पीआईए को कई कदम उठाने की जरूरत है। प्रषिक्षण कार्यक्रम में डोमेन ओर नॉन डोमेन का अध्ययन करवाया जाता है। इसमें डोमेन के माध्यम से विषय वस्तु का अध्ययन और नॉन डोमेन में व्यावहारिक ज्ञान और कौषलों का विकाष किया जाता है।

भण्डारी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (BHCPL) ने हेल्थ केयर के क्षेत्र डीडीयू–जीकेवाई के तहत वर्ष 2019 से 2021 तक के ट्रेड के हिसाब से स्ट्रेंथ, ड्रॉप आउट, प्रषिक्षित एवं प्लेसमेंट इत्यादि।

Trade	Strength	Drop Out	Trained	Placed
General Duty Assistant (HSS/Q5101)	270	13	257	128

स्रोत:- प्राथमिक डेटा भंडारी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (BHCPL) से एकत्र किया गया

कक्षा प्रषिक्षण (Class Training) :-

आवसीय प्रषिक्षण में प्रतिदिन 8 घंटे की कक्षा में प्रषिक्षण दिया जाता है जिसमे डोमेन और नॉन डोमेन का अध्ययन करवाया जाता है। डोमेन में हेल्थ केयर के क्षेत्र में प्रषिक्षण दिया जाता है जिसमें मरीज की देख भाल कैसे की जाती है सिखाया जाता है जिससे वह कम्प्यूटर में एक्सेल, वर्ड पावर प्वाइंट और इंटरनेट सिखाया जाता है जिससे वह कम्प्यूटर का कार्य आसानी से कर सके सॉफ्ट कौषल में संचार और पारस्परिक कौषल विकासित करने के लिए अध्ययन किया जाता है। अंग्रेजी में रोज 1–2 घंटे की क्लास में बोलना सिखाया जाता है जिससे वह आपने आप को विकसित कर सकें।

ऑन–द जॉब ट्रेनिंग (OJT) :- ऑन–द जॉब ट्रेनिंग का मतलब कक्षा प्रषिक्षण पुरा होने के बाद एक से तीन माह के लिए किसी सार्वजनिक या निजी क्षेत्र कि संस्था या कम्पनी में व्यावहारिक प्रषिक्षण दिया जाता है।

Plan of Training

S. No.	Trade	Training duration (in Months)	Particulars	Training duration (in Days)	Core domain (Hrs.)	Non Domain		
						English Skill (Hrs.)	Computer (Hrs.)	Soft Skill (Hrs.)
1	General Duty Assistant (HSS/Q5101)	3 Months	Classroom	49 Days	228	61	81	21
			OJT	24 Days	192	--	--	--

निगरानी (Monitoring) :-

डीडीयू–जीकेवाई में गतिविधि सह पाठ योजना (एसीएलपी) का महत्वपूर्ण कार्य होता है इसमें हर घंटे का अलग–अलग बैच के हिसाब से एक प्लान बनाया जाता है।

- SDC में सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखा जाता है
- उपस्थिति दर्ज करने के लिए बायोमेट्रिक और अटेन्डस रेजिस्टर का उपयोग किया जाता है
- PIA Q team के द्वारा हर बैच षुरू होने के 40 दिनों के बाद विजिट की जाती है जिससे वह SDC की स्थिति देखता व रिपोर्ट बनाता है।

डाटा व्याख्या और विष्लेषण (Data Interpretation and Analysis) :-

डाटा व्याख्या और विष्लेषण में श्रेणी वार स्थिति , गरीबी तहत वितरण , प्रषिक्षण के तहत कि स्थिति, प्रषिक्षण पूरा होने के बाद की स्थिति और प्लेसमेंट के तीन महीने होने के बाद व इस सभी के माध्यम से डाटा एकत्रित किया जाता है डाटा विष्लेषण निम्न लिखित तरीके से किया जाता है

श्रेणी वार स्थिति :–

- ST उम्मीदवार – 20 %
- SC उम्मीदवार – 30 %
- Minority उम्मीदवार – 10 %
- Other उम्मीदवार–40 %

गरीबी के तहत वितरण :–

- अन्त्योदय के उम्मीदवार – 05 %
- बी पी एल के उम्मीदवार – 20 %
- मनरेगा के उम्मीदवार – 30 %
- पी आई पी के उम्मीदवार – 45 %

प्रषिक्षण के तहत कि स्थिति :–

10 उम्मीदवार प्रषिक्षण के तहत रखा रहा है

- प्रषिक्षण
- प्रषिक्षण अनुभव
- प्रषिक्षण की उपयोगिता
- प्रषिक्षण के बाद नौकरी

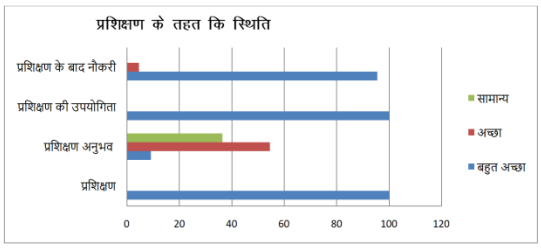

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद की स्थिति :–

50 उम्मीदवार प्रषिक्षण के बाद काम कर रहे हैं और उन्हें डीडीयू–जीकेवाई के तहत रखा रहा है

- 10 % नौकरी
- 10 % व्यवसाय
- 20 % अध्ययन
- 50 % अन्य कार्य

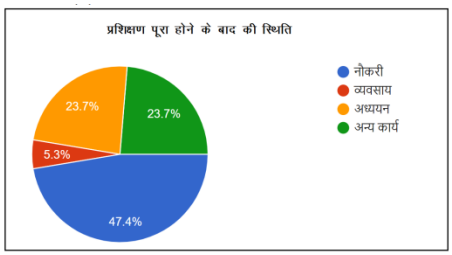

प्लेसमेंट के तीन महीने होने के बाद :–

25 उम्मीदवार प्लेसमेंट के तीन महीने होने के बाद रखा गया है

- **48.1** % तीन महीने होने के बाद
- **18.5** % छ: महीने होने के बाद
- **29.6** % नौ महीने होने के बाद
- **03.8** % बारह महीने होने के बाद

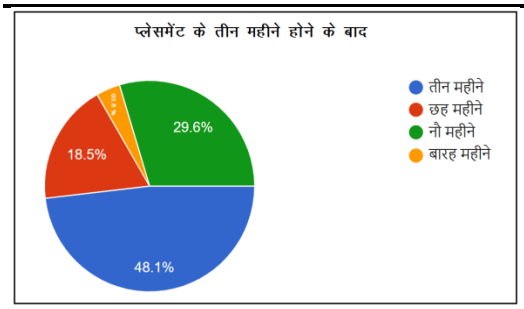

निष्कर्ष (Conclusion) :-

उपरोक्त षोध के विषय में अध्ययन से यह बात तो साफ हो जाती हैं की ग्रामीण विकास में युवाओं के लिए ये योजना संजीवनी से कम नहीं है। उसमें उम्मीदवार न सिर्फ अपने आप का विकास करता है अपितु वह प्रषिक्षण के बाद जॉब कर अपना और अपने परिवार का सहारा भी बनते है और वह हेल्थ केयर के सेक्टर से इतना सीख जाता हे की वो प्राथमिक उपचार करने के भी लायक बन जाता हैं। इसके माध्यम से वो अपने जीवन यापन करने के साथ वह निरंतर नए–नए रोजगार के अवसर प्राप्त करता रहता है।

संदर्भ (Reference) :-

Sabita Kumari, (2016), Skill Enhancement Through Deen Dayal Upadhaya Grameenkaushalya, Yojana, Kurukshetra,

Dr. V. Lalitha (2019), Skill Training For Rural Youth Under Ddu-Gky:A Case Study Of Nac In Telangana,

Kym Cole And Jennifer Liebshutz (2016), Expanding Employment For India's Rural
Women, Evidence For Policy Design, Harvard University

https://rsldc.rajasthan.gov.in

https://kaushalpragati.nic.